119

मेवाड़ विश्वविद्यालय में मनाया मानव अधिकार दिवस

मानवाधिकारों का संरक्षण विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती: शर्मा

चित्तौड़गढ़, 10 दिसम्बर (कासं.)। प्रत्येक मनुष्य के अपने कर्तव्य निर्धारित किये गये हैं और उसके कर्तव्य ही बाकी लोगों के अधिकार हो गये हैं। यदि हर इंसान अपने कर्तव्यों का पूर्ण ईमानदारी से निर्वहन करे तो अन्य लोगों के अधिकार स्वयं ही पूरे हो जायेंगे।

यह विचार मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में मानव अधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एनडीपीएस न्यायालय के न्यायाधीश मधुसूदन शर्मा ने व्यक्त किये। उन्होंने मानव अधिकारों की उत्पत्ति से अब तक की यात्रा का संक्षिप्त परिचय दिया और मानव अधिकारों के विषय पर विभिन्न न्यायिक निर्णयों की सहायता से उपयोगी जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज मानवाधिकारों का संरक्षण विश्व के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है, सम्पूर्ण मानव जाति, आतंकवाद, अत्याचार, शोषण एवं उत्पीड़न से पीड़ित है। मानवाधिकारों के संरक्षण के लिये मैग्नाकार्टा, बिल ऑफ राईट्स एवं मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी हुए। पारिवारिक एवं सामाजिक तनाव के कारण आमजन मानवाधिकार हनन के शिकार हो रहे है।

कार्यक्रम के अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव तथा एडीजे भानु कुमार ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की जानकारी देते हुए बताया कि इस अधिनियम से मानवाधिकार जगत में आशा की एक नई किरण का संचार हुआ है। अधिनियम की धारा 2 में मानव अधिकार की परिभाषा दी गई है। इसका मूल उद्देश्य मानव जीवन और उसकी गरिमा की सुरक्षा प्रदान करता है। इस अधिनियम के तहत शिक्षा, चिकित्सा, निःशुल्क विधिक सहायता, त्वरित विचारण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय भी सम्मलित किये गये है। इसका कार्य किसी लोक सेवक द्वारा मानवाधिकारों का उल्लंघन किये जाने पर उसके विरुद्ध जांच करना, जेल में बंद व्यक्तियों की जीवन दशा का पता लगाने के लिए जेलों का निरीक्षण करना, मानवाधिकार के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन देना, मानवाधिकार के क्षेत्र में स्वैच्छिक एवं गैर सरकारी संस्थानों को आगे लाने की दिशा में कार्य करना है।

समारोह में अतिथियों का स्वागत मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एस. राणा व उपकुलपति आनन्द वर्धन शुक्ला द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन में उपकुलपति आनन्द वर्धन शुक्ला ने मानव अधिकार दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में महत्ता के बारे में बताया और मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा सन् 1948 में सम्बन्धित प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.एस. राणा ने मानव अधिकारों की वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि न्यायालयों में न्यायिक प्रक्रियाएं बहुत लम्बी चलती है, इसके पीछे हमारे न्यायिक व्यवस्था की काफी खामियां है और इसमें सुधार की आवश्यकता है।

मेवाड़ एज्युकेशन सोसायटी के अध्यक्ष गोविन्द लाल गदिया ने अपने आभार उद्बोधन में शिक्षा के अधिकार के बारे में बताते हुए कहा कि हमारे समाज में अभी भी शिक्षा की बहुत कमी होने से लोग अपने अधिकारों के बारे जागरूक नहीं है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डायरेक्टर हरीश गुरनानी, डीन एकेडमिक्स डॉ.के. शर्मा, डिप्टी रजिस्ट्रार दीप्ती शास्त्री, विधि विभाग के सहायक आचार्य पुष्पेन्द्र सोलंकी, शिरीष कुमार शुक्ला, लविना पगलोत, गीतांजली, सुप्रिया चौधरी के साथ विश्वविद्यालय के कई विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग के छात्र आकाश तिवारी चौधरी एवं अर्पिता चौहान ने किया।

चंदेरिया लेड जिंक संयंत्र में मनाया मानवाधिकार दिवस

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष में चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के [illegible] के सभागार में [illegible] ने संयुक्त रूप से आयोजित [illegible] जिला न्यायाधीश, सचिव जिला विधिक प्राधिकरण भानु कुमार के मुख्य आतिथ्य, भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं [illegible] के [illegible] और [illegible] लेड जिंक [illegible] मजदूर संघ के महामंत्री [illegible] राणावत की अध्यक्षता में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष [illegible] चौहान ने दिया। न्यायाधीश भानुकुमार ने बहुत ही सरल शब्दों में अधिकारों एवं कर्तव्यों को [illegible] तरीके से समझाया। उन्होंने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल में चल रहे मानवाधिकारों का हनन एवं कर्तव्यों के निर्वहन पर प्रकाश डाला। आयोजन में लोकेशन एचआर हेड अनुराग आशीष, सीएसआर अनुप कुमार, सीएसआर हेड विमल अग्रवाल, [illegible] रणजीत सिंह भाटी ने संबोधित किया।

इस अवसर पर चावरी एचआर हेड एसएल सोनी, एचआर अधिकारी इंद्रजीत सिंह, गगन श्रीवास्तव जिला अध्यक्ष भारतीय मानवाधिकार एसोसिएशन उदयपुर, चित्तौड़ जिला महासचिव प्रदीप प्रसाद, बड़ी संख्या में जिंक कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मचारी उपस्थित थे। संचालन सुरक्षा अधिकारी अंजली मीणा ने किया।

Jannayak 11-12-2021

23/5/20

MEWAR UNIVERSITY Chittorgarh

अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता शिविर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

चित्तौड़गढ़. जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से अन्तरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष्य में दो विधिक सेवा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय गंगरार में प्राधिकरण सचिव भानू कुमार की अध्यक्षता में व मधुसुदन शर्मा के आतिथ्य में शिविर आयोजित हुए। शिविर में मुख्य अतिथि ने कहा कि मानवाधिकारों का संरक्षण दुनिया के समक्ष सबसे बड़ी चुनौति है। संपूर्ण मानव जाति आतंकवाद, अत्याचार, शोषण और उत्पीड़न से पीड़ित है। मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए घोषणा पत्र जारी हुए। पारिवारिक व सामाजिक तनाव के कारण आमजन शिकार हो रहे हैं। प्राधिकरण सचिव ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की जानकारी दी और कहा कि इस अधिनियम से मानवाधिकार जगत में आशा की नई किरण का संचार हुआ है। अधिनियम की धारा 2 में मानव अधिकार की परिभाषा दी गई है। इसका मूल लक्ष्य मानव जीवन और उसकी गरिमा को सुरक्षा प्रदान करता है। इन अधिकारों के तहत शिक्षा, चिकित्सा, निःशुल्क विधिक सहायता, त्वरित विचारण, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय भी शामिल किए गए हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार का गठन किया हुआ है।

इसका कार्य किसी लोक सेवक द्वारा मानवाधिकारों का उल्लंघन करने पर उसके विरुद्ध जांच करना, जेल में बंद व्यक्तियों की जीवन दशा का पता लगाने के लिए जेलों का निरीक्षण करना, मानवाधिकार के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहन देना एवं मानवाधिकार के क्षेत्र में स्वैच्छिक एवं गैर सरकारी संस्थानों को आगे लाने की दिशा में कार्य करना है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के चेयरमैन गोविन्द गदिया, केएस राणा, श्रीमती आनंदवर्धन शुक्ला, निदेशक हरीश गुरनानी आदि मौजूद थे। हिन्दुस्तान जिंक में आयोजित शिविर में मुख्य अतिथि भानु कुमार थे। इस मौके पर घनश्याम सिंह राणावत, जीएनएस चौहान, अनूप केआर आदि मौजूद रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में गाँधी और शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

अछूतों के नेता थे महात्मा गाँधी और शास्त्री जी ने मुश्किल दौर में भी बनाए रखा देश का मानः आनन्द वर्द्धन शुक्ल

चमकता राजस्थान

गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। सत्य, अहिंसा, सद्भाव और स्वावलम्बन के प्रतीक थे गाँधी जी। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में गाँधी एवं शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित हुए कार्यक्रम में प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कही। उन्होंने आगे कहा कि गाँधी ने अंग्रेजों की वैचारिकी पर चोट की। वह असल मायने में अछूतों के नेता थे। लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जय जयवान, जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री ने मुश्किल समय में देश को सम्भाला और देश का मान बनाए रखा। कई अभूतपूर्व सुधारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने ही पहली बार भ्रष्टाचार निरोधक विभाग, नेशनल डेयरी बोर्ड सहित कई क्रान्तिकारी शुरूआत की। मेवाड़ विश्वविद्यालय स्थित गाँधी संग्रहालय की निदेशक प्रो० (डॉ०) चित्रलेखा सिंह ने गाँधी और शास्त्री के योगदानों को याद करते हुए कहा कि किसी भी महापुरुष की जयंती मनाने के पीछे का उद्देश्य उनके जीवन की महानतम बातों को स्वयं में आत्मसात करना है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ० अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. सर्वोत्तम दीक्षित ने ऑनलाइन माध्यम से सफल कार्यक्रम की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में विधि विभाग के विद्यार्थियों ने गाँधी जी के जीवन पर नाट्य प्रस्तुती दी। अंकिता और नन्दिनी ने देशभक्ति से ओत-प्रोत समूह नृत्य प्रस्तुत किया। अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थी सामंथा, थारेन एस. पी. और इयन्स जहाँ ने गाँधी जी पर आधारित कविता का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन बीए एल. एल. बी की विद्यार्थी मिन लैंग ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विधि विभागाध्यक्ष सविता चपलोत ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वंदना एवं कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर डायरेक्टर अकादमिक डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन इंजीनियरिंग डॉ० ए. आर. राणा, डीन एग्रीकल्चरल प्रो० सुदर्शन, प्रो० एस. राणा, गाँधी शोधपीठ के सहायक निदेशक डॉ० अमित कुमार पाण्डेय, डॉ० नीतू जैन, चंदना चूण्डावत, डॉ० गंगा बिस्वा, निरमा शर्मा, गोपालनीत शर्मा, सुप्रिया चौधरी, इवाशीष, रोशनी कसौधन, अंजलि त्रिपाठी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।